अनुकूलतम जनसंख्या सिद्धांत
(Optimum Population Theory)

जनसंख्या किसी भी देश अथवा प्रदेश की सबसे महत्वपूर्ण संसाधन है। इसके बिना तो किसी भी राष्ट्र की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। वास्तव में यह सबसे गतिशील तथा जन्मदर मृत्यु दर एवं प्रवास से प्रभावित होता है। संसार में जनसंख्या वृद्धि से सम्बंधित अनेक सिद्धांत प्रतिपादित किये गये, इनमें से एक है, अनुकूलतम जनसंख्या सिद्धांत।

अनुकूलतम जनसंख्या सिद्धांत
(Optimum Population Theory)

यह सिद्धांत जनसंख्या एवं संसाधनों के सम्बंधों के विश्लेषण पर आधारित सिद्धांत है। प्रसिद्ध अंग्रेज अर्थशास्त्री एडविन केनन ने (1861-1935) ने इस सिद्धांत को प्रतिपादित किया। जब किसी विशिष्ट क्षेत्र की जनसंख्या जो अधिकतम आर्थिक उत्पादकता को संभव करती है तो उसे आदर्श/अनुकूलतम जनसंख्या कहते हैं। यह सिद्धांत दो मुख्य मान्यताओं पर आधारित है—

1) देश की जनसंख्या में वृद्धि होने पर भी कुल जनसंख्या तथा कार्यकारी जनसंख्या का वास्तविक अनुपात अपरिवर्तित रहता है।
2) जब संख्या बढ़ती है तो देश के प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक संसाधन जैसे पूंजी की मात्रा, प्रौद्योगिक अवस्था अपरिवर्तित रहते हैं।

अनुकूलतम जनसंख्या सिद्धांत के आधारभूत तथ्य

1) यह सिद्धांत उत्पत्ति के नियम पर आधारित है। राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में जनसंख्या के उचित नियोजन से संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग होता है और अधिकतम उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है

2) देश के उत्पादन के साधन, कार्यक्षमता, वैज्ञानिक व प्राविधिक ज्ञान तथा उत्पादन प्रणाली में सुधार के साथ परिवर्तन होते रहने के कारण अनुकूलतम जनसंख्या का बिन्दु एक गतिशील बिन्दु होता है।

3) अनुकूलतम जनसंख्या सिद्धांत केवल परिमाणात्मक ही नहीं बल्कि गुणात्मक विचार भी है। इसलिए बोल्डिंग ने प्रति व्यक्ति आय के स्थान पर जीवन स्तर (standard of life) का प्रयोग किया है।

इस सिद्धांत को आरेख द्वारा प्रकट किया जा सकता है। जैसाकि आरेख -01 में दिखलाया गया है —

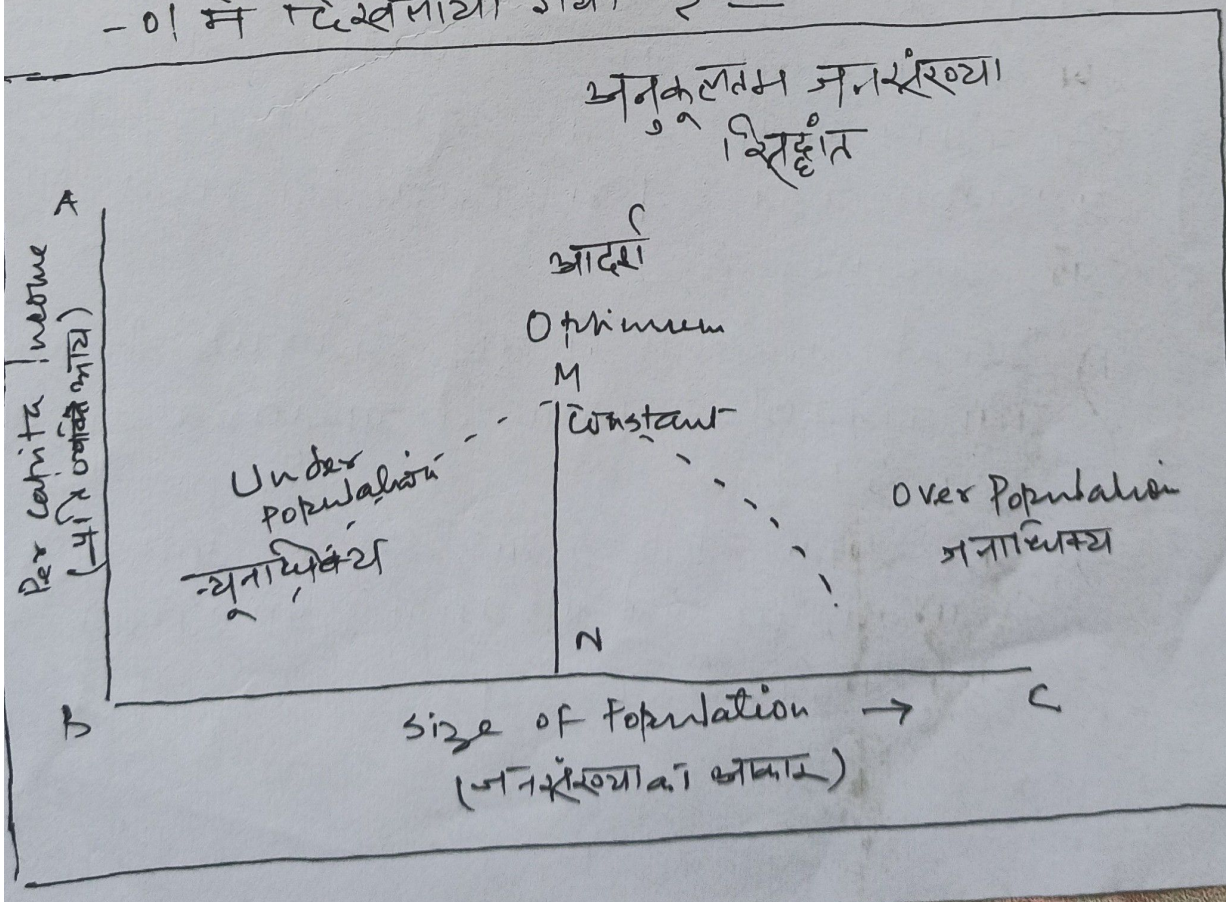

डाल्टन ने इस निम्न सूत्र से बतलाया है—

$$M = \frac{A-O}{O}$$

जहाँ M = कुसमायोजन (Maladjustment)

A = वास्तविक जनसंख्या (Actual Population)

O = O आदर्श जनसंख्या (Optimum Population)

यदि M धनात्मक है तो जनाधिक्य होगा और यदि यह ऋणात्मक होगा तो जनसंख्या न्यून होगी। यदि M का मान O (शून्य) हो तो जनसंख्या आदर्श होगी।

डाल्टन ने आदर्श जनसंख्या को प्रतिव्यक्ति अधिकतम आय संभव है। लेकिन रोबिन्सन ने प्रतिव्यक्ति अधिकतम उत्पादन से निर्धारित किया है।

इस प्रकार यह सिद्धांत के दो प्रमुख तथ्य महत्वपूर्ण हैं—

1) किसी भी देश की अनुकूलतम जनसंख्या स्थिर नहीं होती है।

2) किसी भी देश की अनुकूलतम जनसंख्या को सही-सही निर्धारित करना कठिन है।

अनुकूलतम जनसिद्धांत की आलोचना—

यह सिद्धांत अन्य जनसंख्या सिद्धांत के तुलना में अधिक तर्कपूर्ण तथा ग्राह्य है। परंतु कई पहलुओं के आधार पर इस सिद्धांत की आलोचना की जाती है—

इस सिद्धांत की दोनों मान्यताएँ यथार्थ नहीं हैं।

किसी भी देश की अनुकूलतम जनसंख्या का अनुमान लगाना कठिन है क्योंकि जनसंख्या वृद्धि तथा संसाधन क्षमता का सही आकलन संभव नहीं है।

अनुकूलतम जनसंख्या ज्ञात करने के लिये यह सिद्धांत केवल आर्थिक तत्वों को महत्व देता है।

इस सिद्धांत के अनुसार प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि होते रहने पर जनसंख्या वृद्धि को आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टिकोण से वांछनीय माना है।

उपर्युक्त आलोचनाओं के बावजूद जनसंख्या विद इस सिद्धांत को व्यवहारिक नहीं मानते, पर सैद्धांतिक दृष्टि से यह सुदृढ़ विचारधारा है।

—— × —— × ——